

00945

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

Term-End Examination

June, 2016

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY
BPYE-002 : TRIBAL AND DALIT PHILOSOPHY**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) *Answer all the five questions.*
(ii) *All questions carry equal marks.*
(iii) *Answers to question no. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
-

1. How is Tribal Philosophy or Culture in transition ? Illustrate in detail. 20

OR

- Why are the Socio-Religious Customs (Rites of Passage) so important in the life of the members in relation to the community ? Justify. 20

2. What are the various structures of violence against Dalits ? Why are these considered to be structural ? Explain. 20

OR

- What do you understand by Philosophy of Liberation ? Elaborate. 20

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each :
- (a) Explain various official positions of Village Organisation. What are their roles ? **10**
 - (b) Identify some of the Human Core values of Tribals. **10**
 - (c) Justify the Historiographical relevance of Caste and Religion explained by B.R. Ambedkar. **10**
 - (d) Illustrate untouchables' outlook on life and world. **10**
4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :
- (a) Describe the concept of "Adivasi Identity" understood by the Tribals of Jharkhand. **5**
 - (b) What are the major roles of Path/Parha organization ? **5**
 - (c) What are the values of Dance ground and Bachelor's hall in the Tribal life and Culture ? **5**
 - (d) Define Historiography. **5**
 - (e) What is your understanding of tribes ? **5**
 - (f) Explain the concept of 'Alienation' in the context of Dalit Philosophy. **5**
5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :
- (a) The Oraon **4**
 - (b) Folk Song **4**
 - (c) Clan **4**
 - (d) Cosmotheandrim **4**
 - (e) Subaltern Historiography **4**
 - (f) Dalit **4**
 - (g) Civil Society **4**
 - (h) Dialectics **4**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2016

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र

बी.पी.वाई.ई.-002 : जनजातीय और दलित दर्शन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- नोट : (i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. जनजातीय दर्शन अथवा संस्कृति का हस्तांतरण कैसे हो रहा है? 20
प्रकाश डालें।

अथवा

- सामाजिक धार्मिक प्रथाएँ (मुक्ति सम्बन्धी कर्मकाण्ड) किसी 20
जनजातीय समुदाय के सदस्यों के जीवन में क्यों अत्यधिक
महत्वपूर्ण है? तर्क दें।

2. दलितों के विरुद्ध हिंसा की कौन-कौन सी विभिन्न संरचनाएँ 20
हैं? किस प्रकार से वे संरचनात्मक हैं? समझाएं।

अथवा

- मुक्ति दर्शन से आप क्या समझते हैं? विस्तृत जानकारी दें। 20

3. **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :**
- (a) ग्राम संगठन के विभिन्न पदाधिकारियों को उल्लेखित करें। उनके कार्यों का वर्णन करें। 10
- (b) जनजातियों के आधारभूत मानवीय मूल्यों को दर्शाए। 10
- (c) अंबेडकर द्वारा वर्णित जाति एवं धर्म के इतिहास-लेखन की प्रासंगिकता पर तर्क दें। 10
- (d) जीवन और जगत पर अस्पृश्यों के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालें। 10
4. **किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :**
- (a) झारखण्ड की जनजातियों की समझ के अनुसार "आदिवासी पहचान" पर विचार व्यक्त करें। 5
- (b) पट्टी/परहा संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका क्या है? 5
- (c) जनजातीय जीवन एवं संस्कृति में नृत्यशाला और अविवाहित कक्ष के महत्व को बताएं। 5
- (d) इतिहास लेखन को परिभाषित करें। 5
- (e) जनजाति से आप क्या समझते हैं? 5
- (f) दलित दर्शन के सन्दर्भ में अलगाव की व्याख्या करें। 5
5. **किन्हीं पाँच प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :**
- (a) उराँव 4
- (b) लोक गीत 4
- (c) गोत्र 4
- (d) ब्रह्माण्डईशमानववाद (Cosmotheandrisim) 4
- (e) निम्न वर्गीय इतिहास लेखन 4
- (f) दलित 4
- (g) सभ्य-समाज 4
- (h) द्वन्द्ववाद (Dialectics) 4